प्रतीप (ut videtur, e °ति et आप aqua, abjecto आ, v. द्वीप, समीप) adversus, contrarius; repugnans. Ur. 18. 12. Hit. 77. 18. (Cf. russ. *protiv* contra, *protivnyĭ* contrarius.)

प्रतीहार *m.* (r. हृ praef. °ति producto इ, s. अ) janitor. Hit. 89. 2. Lass. 28. 10.

प्रतोद *m.* (r. तुद् praef. प्र s. अ) baculus aculeatus (Wils. *a goad*). A. 8. 15. *v.* तुद्.

प्रत्त v. दा praef. प्र.

प्रत्यक्ष (*Bah.* ex प्रति et अक्ष oculus) visibilis. N. 5. 36. 20. 13.

प्रत्यक्षम् *Praep.* (*Avy.* - v. gr. 675. - ex °ति et अक्ष) coram, in conspectu, ante oculos. *C. gen.* N. 20. 14.

प्रत्यग्र (e °ति et अग्र) recens, *de floribus*. Megh. ed. Wils. 4.

प्रत्यच् (in casib. fortibus प्रत्यञ्च्, *Nom. m.* प्रत्यङ्, *f.* प्रतीची, *n.* प्रत्यक्; a r. अञ्च् praef. प्रति; v. gr. 196. 198.) occidentalis.

प्रत्यनीक *m.* (*Karm.* ex °ति et अनीक exercitus) adversus exercitus. Bh. 11. 32.

प्रत्यय *m.* (r. इ praef. °ति s. अ) fiducia. Hit. 122. 21.

प्रत्यवयव (*Bah.* e °ति et अवयव membrum) quodvis membrum spectans; integer, plenus. Ur. 17.

प्रत्यवाय *m.* (r. इ praef. °ति + अव) detrimentum? Bh. 2. 40.

प्रत्यहम् *Adv.* (*Avy.* e प्रति et अह) quotidie. Hit. 20. 12.

प्रत्यागत v. गम् c. आ praef. °ति.

प्रत्यादेश *m.* (r. दिश् praef. प्रति s. अ) actio rejiciendi, repellendi. Ur. 3. 3. infr.

प्रत्याशा *f.* (e °ति et आशा) fiducia. Ur. 40. 7.

प्रत्युत्तर *n.* (e °ति et उत्तर) responsum. Hit. 92. 21.

प्रत्युपकार *m.* (r. कृ c. उप praef. प्रति, s. अ) officium mutuum. Bh. 17. 21.

प्रत्युष *m.* (e °ति et उष) tempus matutinum.

प्रत्युषस् *n.* (e °ति et उषस्) *id.*

प्रत्यूष *m.* (e °ति et ऊष i. q. उष) *id.* Megh. 31.

प्रत्यूषस् *n.* (e °ति et ऊषस् i. q. उष, ऊष, उषस्) *id.* Lass. 57. 9.

प्रत्यूह *m.* (ut mihi videtur, a. r. वह् correpto व in ऊ, praef. °ति s. अ) obstaculum. Hit. 89. 20.

प्रत्येकम् *Adv.* (*Avy.* ex °ति et एक) singulatim. Ragh. 7. 31. 12. 3.

प्रथ् 1. *A.* 1) extendi, expandi. Rigv. V. (v. Westerg.): अर्णांसि पप्रथाना aquae extensae. *Trop.* divulgari. R. Schl. II. 61. 2.: त्रिषु लोकेषु प्रथितम् ते यशः; Man. 11. 45.: यशो ऽस्य प्रथते. 2) laudari, celebrari. Bh. 15. 18.: अतो ऽस्मि लोके वेदे च प्रथितः पुरुषोत्तमः; R. Schl. I. 8. 9.: लोकेषु प्रथितम् तपस् तस्य भविष्यति; Ragh. 15. 101.: तदाख्यया तीर्थम् पावनम् भुवि पप्रथे. - प्रथित celeber. Dr. 3. 4. - *Caus.* प्रथयामि, praet. mltf. अपप्रथम्. 1) extendere. Rigv. 103. 2.: धारयत् पृथिवीम् पप्रथच्च; Mah. 1. 4794.: एष यशस् ते प्रथयिष्यति. 2) divulgare, celebrare. R. Schl. I. 4. 1.: को न्व् एतत् लोके ऽस्मिन् प्रथयेत् (काव्यम्). (V. पृथु.)

c. वि extendi, expandi; *in dial. Vêd. c. ablat.* Majorem, ampliorem, latiorem esse. Rigv. 55. 1.: दिवश्चिद् अस्य वरिमा विपप्रथे «coelo quoque illius amplitudo major est». Divulgari. Mah. 2. 2667.: धृष्टद्युम्नो द्रोणमृत्युर् इति विप्रथितम् वचः. — *Caus.* 1) expandere. Rigv. 62. 5. 2) celebrare. Mah. 3. 10277.

प्रथम (ut mihi videtur, a प्र suff. थम = superl. suff. तम; mutatâ tenui in asp.) primus, prior. Megh. 2. 17. — प्रथमम् *Adv.* primum, prius. N. 13. 23. 22. 17. Ur. 18. 16.

प्रथिमन् *m.* (a पृथु, quod e प्रथु, suff. इमन्) latitudo, amplitudo, magnitudo. Ragh. 18. 48.

प्रद (r. दा praef. प्र s. अ) dans. Bh. 2. 43.

प्रदक्षिण (e प्र et दक्षिण dexter) 1) *Adj.* dextrorsus, *praesertim de salutatione.* Su. 3. 22. 24. 2) *Subst. n.* honorifica salutatio, quae praestatur circumgrediendo aliquem, ita ut dexterum latus ei advertatur. A. 1. 7.

प्रदातृ *m.* (r. दा praef. प्र s. तृ) dator, *praecipue filiae in matrimonium.* Sa. 1. 32., *in comp. c.* अ *privativo.*

प्रदान *n.* (r. दा praef. प्र s. अन) actio dandi, Su. 4. 13.;